कान्हा मेरी गगरियाँ मत फोड़ो

कान्हा मेरी गगरियाँ मत फोड़ो,
अरे कंकड़ न मारो सोचो विचारों
बीच सडक पर गुलेल यु न चलाओ,
तरस हम पे खाओ,
गगरियाँ मत फोड़ो कान्हा मेरी,

छोड़े न राधा तुम्हे अब है अपना वादा,
यत्न करो चाहे जितने बहाने बनाओ,
भले ही इतराओ तुम्हे हम न छोड़े गे,
फोड़े गे हम गगरियाँ फोड़े गे,

बड़ा मजा आये गा जब तुम बीगो गई,
सुन्दरता में राधे रानी और निखरो गी,
देखे तुम कहा जाओगी,
हम से न बचो गी राधे,
उतना ही छेड़े गे हम जितना तुम चिलाओ गी,

पइयां पड़ू मैं विनती करू मैं,
कुञ्ज गलियां में ऐसे न कान्हा सताओ मान भी जाओ,
गगरियाँ मत फोड़ो कान्हा मेरी,
गगरियाँ फोड़े गे हम,

यत्न तुम्हारे राधा जायेगे बेकार,

कहते है हम से करो न टकरार,
गगरियाँ फोड़े गे हम,

मैया से शिकायत श्याम तेरी मैं करू गी,
तेरा लाल छेड़े साँची मैं कह दूंगी,
माँ से मैं भी कह दूंगा मुझको स्त्याए कितना ,
राह में गेरे तू मुझको नृत कराये कितना,
सुन लो कन्हियाँ जगत खिवैयाँ,
शार्दुल सूरय: पे अपनी भी किरपा बनाये रखना,
शरण में रखना भक्ति में हमे जोड़ो,
गगरियाँ मत फोड़ो,

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-meri-gagariyan-mat-fodo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw